

UDISE प्लस रपॉर्ट

प्रलिस के लयः

UDISE प्लस रपॉर्ट, 2021-22, नई राषट्रीय शकषा नीतल (NEP), 2020, सरव शकषा अभयान, मधुयाहन भोजन योजना

मेन्स के लयः

भारत में शकषा प्रणाली और संबधतल मुददे, सरकारी नीतयलँ एवं हसतकषेप

चरचा में कयँ?

हाल ही में केंद्रीय शकषा मंतरी ने स्कूली शकषा पर संयुक्त ज़लला शकषा सूचना प्रणाली प्लस (UDISE Plus) रपॉर्ट, 2021-22 जारी की है।

- शकषा मंत्रालय ने वर्ष 2020-21 के लयः प्रदर्शन श्रेणी सूचकांक (PGI) भी जारी कयल है।

UDISE Plus रपॉर्ट:

- यह स्कूली छात्रँ के नामांकन और स्कूल छोडने की दर, स्कूलँ में शकषकँ की संख्या एवं शौचालय, भवन तथा बजली जैसी अनूय बुनयिदी सुवधलँ के बारे में जानकारी प्रदान करने वाला एक समग्र अधययन है।
- इसे वर्ष 2018-2019 में डेटा प्रवषलटल में तेज़ी लाने, त्रुटयलँ को कम करने, डेटा गुणवत्ता में सुधार करने और डेटा सत्यापन को आसान बनाने हेतु शुरु कयल गयल थल।
- यह स्कूल और उसके संसाधनँ से संबधतल कारकँ के वषय में ववरण एकत्र करने संबधी एक एप्लीकेशन है।
- यह UDISE का एक अदयततल और उन्नत संस्करण है, जसल शकषा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2012-13 में शुरु कयल गयल थल।

UDISE Plus रपॉर्ट, 2021-22 के नषकरष:

- नामांकन में गरलवट:
 - परी-प्राइमरी स्तर पर:
 - वर्ष 2021-2022 में कुल 94.95 लाख छात्रँ ने परी-प्राइमरी कक्षाँ में प्रवेश लयल, जो पछले वर्ष की तुलना में 10% की गरलवट को दर्शाता है (जब इन कक्षाँ में 1.06 करोड बच्चँ ने प्रवेश लयल थल)।
 - हालाँक वर्ष 2020-2021 में परी-प्राइमरी कक्षाँ में इससे पूर्व (1.35 करोड) की तुलना में 21% की गरलवट दर्ज की गई थी कयँक महामारी व लॉकडाउन के परणामस्वरूप स्कूल बंद हो गे थल तथा कक्षाँ ऑनलाइन चल रही थी।
 - प्राथमकल और उच्च माध्यमकल स्तर:
 - प्राथमकल कक्षाँ (कक्षा 1 से 5) में नामांकन में भी पहली बार गरलवट दर्ज की गई है, जो वर्ष 2020-2021 के 12.20 लाख से गरकर वर्ष 2021-2022 में 12.18 लाख पर पहुँच गयल है।
 - हालाँक प्राथमकल से उच्च माध्यमकल स्तर पर छात्रँ की कुल संख्या 19 लाख बढ़कर 25.57 करोड हो गई है।
- स्कूलँ की संख्या में गरलवट:
 - वर्ष 2020-21 के 15.09 लाख की तुलना में वर्ष 2021-22 में स्कूलँ की कुल संख्या 14.89 लाख दर्ज की गई।
 - यह गरलवट मुख्य रूप से नज़ी और अनूय प्रबंधन स्कूलँ के बंद होने तथा वभलन राजयँ द्वारा स्कूलँ के समूह/कलस्टरगल के कारण दर्ज की गई।
 - वर्ष 2020-2021 में शकषकँ की संख्या 96.96 लाख थी जो वर्ष 2021-2022 में 1.89 लाख की कमी के साथ 95.07 लाख दर्ज की गई गई।
- कंप्यूटर सुवधलँ और इंटरनेट तक पहुँच:
 - इसके अनुसार 44.75% स्कूलँ में कंप्यूटर की सुवधल उपलब्ध होने के साथ केवल 33.9% स्कूलँ की ही इंटरनेट तक पहुँच थी।
 - हालाँक, पूर्व-कोवडल की तुलना में इसमें सुधार दर्ज कयल गयल, जब केवल 38.5% स्कूलँ में कंप्यूटर थे और 22.3% स्कूलँ में

इंटरनेट की सुविधा थी।

■ **सकल नामांकन अनुपात (GER):**

○ यह शिक्षा के विशिष्ट स्तर में नामांकन की तुलना संबंधित आयु वर्ग की आबादी से करता है।

● **समग्र सुधार:**

○ प्राथमिक कक्षाओं के लिये GER, वर्ष 2018-2019 के 101.3% से बढ़कर वर्ष 2021-2022 में 104.8% हो गया है।

○ यह माध्यमिक कक्षाओं के लिये वर्ष 2021-22 में 79.6%, वर्ष 2018-19 में 76.9% और उच्च माध्यमिक स्तर के लिये 50.14% से बढ़कर 57.6% हो गया है।

● **श्रेणी-वार सुधार:**

○ वर्ष 2020-21 में 4.78 करोड़ की तुलना में वर्ष 2021-22 में अनुसूचित जाति नामांकन की कुल संख्या बढ़कर 4.82 करोड़ हो गई।

○ वर्ष 2020-21 के 2.49 करोड़ से वर्ष 2021-22 में कुल अनुसूचित जनजाति नामांकन बढ़कर 2.51 करोड़ हो गया।

○ कुल अन्य पछिड़े छात्र भी वर्ष 2021-22 में बढ़कर 11.48 करोड़ हो गए, जो वर्ष 2020-21 में 11.35 करोड़ थे।

○ वर्ष 2020-21 के 21.91 लाख की तुलना में वर्ष 2021-22 में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) का कुल नामांकन 22.67 लाख है।

■ **लैंगिक समानता सूचकांक (GPI):**

○ वर्ष 2021-22 में 12.29 करोड़ से अधिक लड़कियों ने प्राथमिक से उच्च माध्यमिक में दाखला लिया है, जो वर्ष 2020-21 में लड़कियों के नामांकन की तुलना में 8.19 लाख की वृद्धि दर्शाता है।

● GER का लैंगिक समानता सूचकांक (GPI) स्कूल में लड़कियों के प्रतिनिधित्व को उनकी जनसंख्या के संबंध में संबंधित आयु वर्ग में दर्शाता है।

प्रदर्शन श्रेणी सूचकांक (Performance Grading Index):

■ **परिचय:**

○ यह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्कूली शिक्षा प्रणाली का साक्ष्य-आधारित व्यापक विश्लेषण प्रदान करता है।

○ यह सूचकांक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कुल 1,000 अंकों में से उनके स्कोर के आधार पर 10 ग्रेड्स में वर्गीकृत करता है।

● उच्चतम प्राप्त करने योग्य ग्रेड स्तर 1 है, जो कुल 1000 अंकों में से 950 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के लिये है।

● न्यूनतम ग्रेड स्तर 10 है जो 551 से नीचे के स्कोर के लिये है।

○ उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन पाँच डोमेन में कुल 70 संकेतकों पर किया जाता है।

● पाँच डोमेन- लर्नगि आउटकम, पहुँच, बुनियादी ढाँचे और सुविधाएँ, इकवर्टी एवं शासन प्रक्रिया हैं।

○ यह सूचकांक कई डेटा स्रोतों से लिये गए डेटा पर आधारित है, जिसमें यूनिफाइड डिसिटरिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (UDISE+) 2020-21, राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS)-2017, और मडि डे मील पोर्टल शामिल हैं।

■ **उद्देश्य:**

○ साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देना और सभी के लिये उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु पाठ्यक्रम में सुधार पर जोर देना PGI के मुख्य लक्ष्य हैं।

○ आशा की जाती है कि PGI राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उनकी कमियों को दूर करने में मदद करेगा एवं तदनुसार हस्तक्षेप के लिये क्षेत्रों को प्राथमिकता देगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्कूली शिक्षा प्रणाली हर स्तर पर मजबूत हो।

प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक के जाँच-परिणाम:

■ **लेवल 2 प्राप्त करने वाले राज्य:**

○ कुल 7 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश जनिमे केरल, पंजाब, चंडीगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान व आंध्र प्रदेश शामिल हैं, ने वर्ष 2020-21 में लेवल II (स्कोर 901-950) हासिल किया है। जबकि वर्ष 2017-18 में ऐसे राज्यों की संख्या नगण्य थी और वर्ष 2019-20 में 4 ही ऐसे राज्य थे।

● गुजरात, राजस्थान और आंध्र प्रदेश अब तक किसी भी राज्य द्वारा उच्चतम स्तर की श्रेणी में प्रवेश करने वाले राज्यों में नए हैं।

■ **लेवल 3 प्राप्त करने वाले राज्य:**

○ दिल्ली, तमिलनाडु, कर्नाटक और ओडिशा सहित कुल 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों ने 851-900 के बीच स्कोर के साथ स्तर 3 प्राप्त किया।

■ **सबसे बड़ी उपलब्धि:**

○ लद्दाख में वर्ष 2019-2020 के लेवल 10 से वर्ष 2020-2021 में लेवल 4 तक पहुँचने के रूप में सबसे बड़ा सुधार देखा गया है।

भारतीय शिक्षा प्रणाली की स्थिति:

■ **परिचय:**

○ PGI के अनुसार, भारतीय शिक्षा प्रणाली लगभग 14.9 लाख विद्यालयों, 95 लाख शिक्षकों और लगभग 26.5 करोड़ छात्रों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली है।

- शिक्षा की वर्तमान स्थिति के समक्ष बड़ी चुनौतियों के अंतर्गत पर्याप्त बुनियादी ढाँचा की कमी, शिक्षा पर कम सरकारी खर्च (जीडीपी के 3.5 फीसदी से भी कम) आदि हैं।
- संबंधित पहलें:
 - नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एन्हांस्ड लर्नगि
 - [सर्व शिक्षा अभियान \(SSA\)](#)
 - [प्रज्ञाता](#)
 - [मध्याह्न भोजन योजना](#)
 - [बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ](#)
 - [पीएम शरी स्कूल \(PM SHRI Schools\)](#)

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगी बनाने के लिये उसमें भारी सुधारों की आवश्यकता है। क्या आपके विचार में विदेशी शैक्षिक संस्थाओं का प्रवेश देश में उच्च और तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता की प्रोन्नति में सहायक होगा? चर्चा कीजिये। (2015)

प्रश्न. स्कूली शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न किये बिना बच्चों की शिक्षा में प्रेरणा-आधारित पद्धति के संवर्द्धन में निःशुल्क और अनविर्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 अपर्याप्त है। विश्लेषण कीजिये। (2022)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/udise-plus-report>

